खसरा और रूबैला टीकाकरण अभियान

मीडिया से वार्तालाप करते समय–क्या करें/क्या नहीं करें

क्या करें

- संभावित सवालों के जवाब पहले से ही तैयार रखें
- पहले गलत बयान को ठीक कर तब दूसरे बिंदु तक पहुंचें
- बयान को छोटा ही रखें ताकि गलत व्याख्या न हो सके
- अगर आप सूचना नहीं दे सकते हैं तो उसका कारण बताएं और अगर बाद में भी सूचना देने में असमर्थता हो, तो पत्रकारों को उसका कारण बताएं कि कब तक उनको सूचना प्रदान कर सकेंगे
- यदि आप किसी प्रश्न का जवाब नहीं जानते तो ऐसा कहें
- बात करते समय तथ्यों का, आंकड़ों का और छोटी घटनाओं का इस्तेमाल करें इससे बात दिलचस्प और विश्वसनीय हो जाती है
- उपसर्ग का इस्तेमाल नहीं करना चाहिये जैसे की 'ईमानदारी से' या 'खरा उतरना'

क्या नही करें

- आपत्तिजनक सवालों को दोहराना –वह केवल गलत और तथ्यहीन सूचनाओं को मजबूत करते हैं
- अत्याधिक तकनीकी शब्दजाल का इस्तेमाल करना
- बिना छोटी व्याख्या दिए 'कोई टिप्पणी नहीं' ऐसा कहना
- दूसरे स्रोत से उपलब्ध जानकारी को रोक कर रखना
- उन तथ्यों और आंकड़ों पर टिप्पणी करना जिसकी जानकारी भी नहीं है